हिन्दी माध्यम

Bihar Naman GS

An Institute for UPSC and BPSC

प्रॉस्पेक्टस और पाठ्यक्रम

BPSC

Bihar Naman GS

3rd floor, A.K. Pandey Building, Road No.-2,
Near Dinkar Golambar, Rajendra Nagar,
Patna - 800016

Follow Us:-

www.biharnaman.in

Bihar Naman GS
An Institute for UPSC and BPSC

प्रॉस्पेक्टस (Prospectuses)

बिहार नमन जीएस (Bihar Naman GS) का परिचय

बिहार नमन जीएस की स्थापना श्री संतोष कश्यप द्वारा इस उद्देश्य से किया गया हैं की देश विशेषकर बिहार के युवा जो सिविल सेवा में जाना चाहते हैं, को सबसे अच्छा शैक्षणिक मार्गदर्शन दिया जा हो सकें. वे सिविल सेवा साक्षात्कार में शामिल हो चुके है और BPSC के लिए सर्वाधिक बिकने वाली बिहार नमन पुस्तक शृंखला के लेखक भी हैं. इस नाते सामान्य अध्ययन के प्रति उनकी गहरी रूचि सतत हैं और वे इसका लाभ सिविल सेवा की तैयारी करने वाले लाखों बच्चों तक पहुँचाना चाहते हैं. इसलिए बिहार नमन जीएस में BPSC के लिए जो भी कक्षाएँ चलाई जाती हैं, वह परीक्षा केन्द्रित होती हैं. बिहार नमन जीएस में संचालित कक्षाएँ, छात्रों को ध्यान केन्द्रित रखने, सीखने और अन्वेषण की क्षमता में वृद्धि करने में सहायता प्रदान करती हैं. बिहार नमन जीएस अपने - अपने विषयों के सबसे अनुभवी और योग्य मार्गदर्शकों का समूह है जो विषयों के प्रति गहरी समझ विकसित करने में हर छात्रों का विशेष रूप से मार्गदर्शन करता हैं. हमारी टीम द्वारा तैयार किया गया अध्ययन सामग्री अपडेटेड और डायग्राम, चित्रों, डाटा तुलन, फ्लो चार्ट आदि से सुसज्जित है जो छात्रों को उनके लक्ष्य की प्राप्ति में सहायता प्रदान करता हैं. "हमारा लक्ष्य BPSC छात्रों को अपने सपनों को पूरा करने के लिए सशक्त बनाना है।"

हमारा दृष्टिकोण

दृढ़ संकल्प

बिहार नमन जीएस का मानना है कि दृढ़ इच्छाशक्ति और दृढ़ संकल्प किसी व्यक्ति के लक्ष्यों और आकांक्षाओं को प्राप्त करने के पीछे प्रेरक शक्ति हैं। उत्कृष्टता की खोज के लिए दृढ़ इरादा और जुनून आवश्यक है। हम इसी सिद्धांत पर काम कर रहें हैं.

प्रगति

हम (बिहार नमन जीएस) किसी भी हाल में खुद को सीमित नहीं करते और लगातार आगे बढ़ने का प्रयास करते हैं। हम अपने संस्थानों को भविष्य के लिए तैयार करने के लिए निरंतर नवाचार और प्रगति में विश्वास करते हैं। किसी भी संस्थान के लिए उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए यह दूरदर्शी सोच आवश्यक है और वर्तमान में यह अति प्रासंगिक भी हैं।

सेवा

शिक्षा का क्षेत्र सेवा का क्षेत्र है। महान कार्य करने के लिए, किसी की यात्रा का एक उद्देश्य होना चाहिए। राष्ट्र और मानव जाति की सेवा में, बिहार नमन जीएस छात्रों को उनके संबंधित जीवन में विजय प्राप्त करने के लिए आवश्यक सभी कौशल और संसाधन प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाना जारी रखेगा।

www.biharnaman.in

Director's Message

श्री संतोष कश्यप
प्रबंध निदेशक, बिहार नमन जीएस

BPSC को करियर के रूप में अपनाने का आपका निर्णय निस्संदेह सराहनीय है और इसके लिए आप बधाई के पात्र हैं, क्योंकि BPSC न केवल आपको आकर्षक नौकरी प्रदान करती है, बल्कि वंचितों और जरूरतमंदों को सेवाएं देने के लिए एक मंच भी तैयार करती है। यह करियर अवसर निश्चित रूप से विभिन्न क्षेत्रों में आपकी क्षमता को बढ़ाएगा और देश तथा बिहार की सेवा करने की संतुष्टि देगा।

इस संदर्भ में, बिहार नमन जीएस आपको नौकरशाही का हिस्सा बनाने के लिए शिक्षा प्रदान कर रहा है। यह संस्थान हर संभव आयाम में नेतृत्त्व का पोषण कर रहा है और मानवीय मूल्यों और नैतिकता को विकसित कर रहा है, जो छात्रों को निर्णय लेने और एक ऐसा मार्ग बनाने में मदद करता है जो उनके साथ-साथ समाज के कल्याण के लिए भी अच्छा हो। आकांक्षाओं और लक्ष्यों को पूरा करने के लिए, प्रत्येक छात्र को छात्रों के साथ-साथ पाठ्यक्रम और शैक्षणिक उपकरणों में पर्याप्त सुधार करके हर प्रयास में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया जाता है।

यह बिल्कुल स्पष्ट है कि बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा मांगे जाने वाले गुणों को रातोंरात विकसित नहीं किया जा सकता है और इसके लिए एक समर्थन की आवश्यकता होती है। इस संदर्भ में, BPSC उम्मीदवारों को पढ़ाने और मार्गदर्शन देने के मेरे 5 वर्षों के अनुभव के साथ-साथ हमारे अनुभवी शिक्षकों, सक्षम प्रशासकों और समर्पित शोधकर्ताओं के साथ मिलकर यह छात्रों को एक कुशल और समयबद्ध तरीके से अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सक्षम बनाता है। वर्षों के शोध और विश्लेषण के बाद, मेरी टीम एक पाठ्यक्रम संरचना विकसित करने में सफल रही, जो यह सुनिश्चित करेगी कि छात्र प्रशासनिक गुणों, तकनीकों और सॉफ्ट स्किल्स को विकसित करने के साथ-साथ संबंधित विषयों का अध्ययन करें। हमारा मार्गदर्शन कार्यक्रम मस्तिष्क की शक्ति और कौशल विकास पर जोर देता है ताकि हमारे छात्र इन संसाधनों का इष्टतम उपयोग करने के लिए प्रशिक्षित हों और इस परीक्षा में विजयी हों।

अंत में, बिहार नमन जीएस के तहत किसी भी छात्र/छात्रा को संकाय, प्रबंधन और प्रशासनिक कर्मचारियों से समर्थन के मामले में किसी भी चीज़ की कमी नहीं होगी। हमारा लक्ष्य एक सौम्य मार्गदर्शन प्रदान करना है ताकि हमारे छात्र अपनी आंतरिक क्षमता को पहचान सकें और कल के भारत और बिहारी समाज के नेतृत्त्वकर्ता के रूप में अपनी इच्छा से विकसित हो सकें। हमारे कक्षा कार्यक्रम में अध्ययन करने वाला एक आकांक्षी निश्चित रूप से ज्ञानवान, आत्मविश्वासी और वास्तविक दुनिया को समझने और उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए पूरी तरह से सुसज्जित होगा।

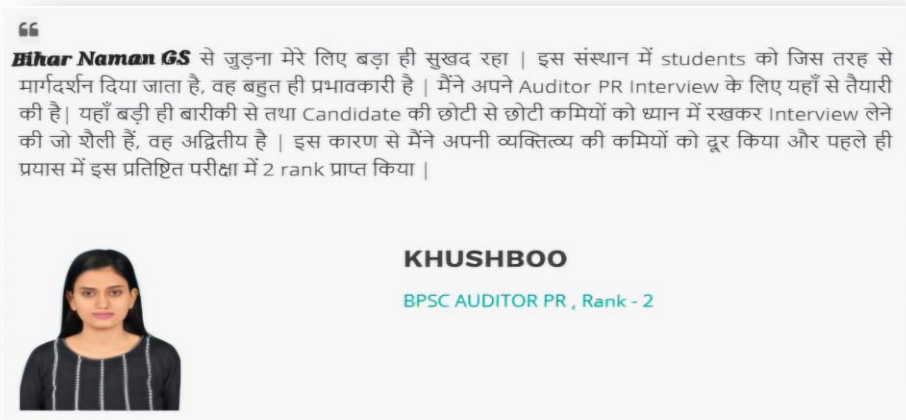

uditor Interview वाले
Students के साथ
@Bihar Naman GS, Patna
श्री Giriwar Dayal Singh Sir
IAS
Cane Commissioner, Govt. of
Bihar

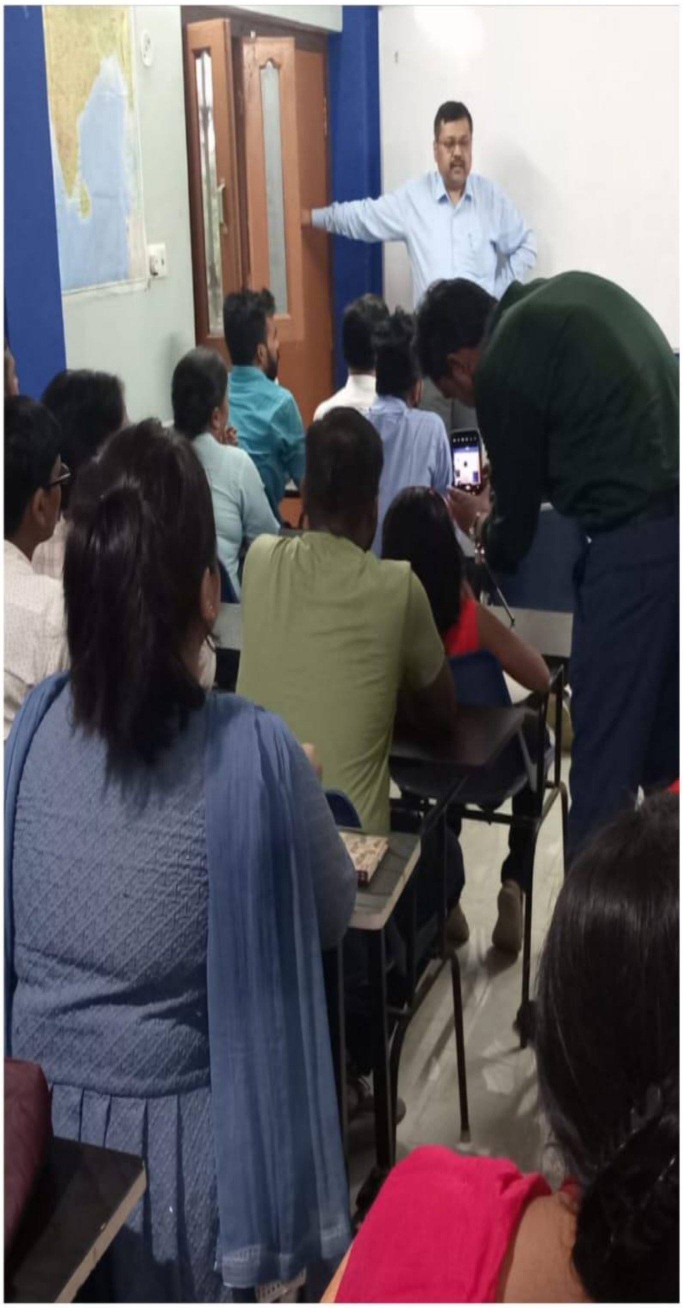

"Bihar Naman GS has been a great help in my BPSC journey .It helped me both at the Prelims as well as at Mains stage.Its Prelims Test Series pointed my loopholes, kept me updated with the changing pattern of the Prelims. During mains preparation the Statistics Book (Statistics 72) of Bihar Naman aced my skills which made Statistics section a cake walk for me.The Mains GS Book kept me focussed on the contours of BPSC question pattern and didn't let me deviate from my goal which played a major role in my final triumph. Best Wishes"

ALOK KUMAR RAJPUT

Block Supply Officer (BSO), Rank- 263; 65th BPSC Batch

Test series of Bihar Naman Publication is really helpful for BPSC Examination . Nature of questions asked in tests are very similar to the ones asked in BPSC exam. Detailed solution provided after test is very comprehensive and Qualitative . I personally benefitted from it during 65th BPSC Prelim and Mains Examination.

JAIPRAKASH SINGH

Rank- 229, 65th BPSC

हेलो फ्रेंड्स मेरा नाम निखिल नंदन है। मैं अपनी बीपीएससी की तैयारी के क्रम में बिहार नमन जीएस से जुड़ा था। यहाँ बहुत ही संतुलित तरीके से BPSC की समग्र तैयारी कराई जाती हैं जिसका मैंने लाभ उठाया हैं। अपने ऑडिटर साक्षात्कार के समय मैंने यहां पर मॉक इंटरव्यू भी दिया था जो मेरे लिए बहुत ज्यादा लाभकारी रहा। मॉक इंटरव्यू के समय यहाँ के शिक्षकों के द्वारा जो भी सुधारात्मक बातें बताई गयी थी, उस पर मैंने काम किया अंततः अच्छे रैंक के साथ ऑडिटर के पद पर चयनित हो सका। मैं इसके लिए पूरी बिहार नमन की टीम को धन्यवाद देता हूँ।

NIKHIL NANDAN

BPSC Auditor PR Rank-140

मैंने Bihar Naman IAS से शैक्षणिक मार्गदर्शन प्राप्त किया हैं जिससे मुझे बहुत ही ज्यादा फायदा हुआ | इसी कारण से मैं 1st attempt में ही BPSC जैसे प्रतिष्ठत exam को क्रैक कर सका और पंचायतीराज AUDITOR के पद पर चयनित हो सका हूँ | यहाँ दिए हुए साक्षात्कार ने मुझे आत्मविश्वास से भर दिया |

MURARI KUMAR JHA

BPSC AUDITOR PR, Rank - 277

BPSC में बिहार नमन जीएस के सफल अभ्यर्थी
OUR RESULT IN
67th BPSC
32 Rank
CHANDRASHEKHAR YADAV
(Bihar Administrative Service)
48 Rank
ROSHAN RAJ
(Bihar Administrative Service)
138 Rank
GAUTAM KUMAR
(Excise Superintendent)
250 Rank
VIRENDRA KUMAR
(Rural Development Officer)
273 Rank
RANI KUMARI
(Probation Officer)
288 Rank
RAKESH KUMAR ROSHAN
(Rural Development Officer)
PRANAV KUMAR
(Subdivisional BC & EBC Welfare Officer)
RAJEEV RANJAN
(Block SC & ST Welfare Officer)
RIYA KUMARI
(Labour Enforcement Officer)
BRAJMOHAN TANTI
(Labour Enforcement Officer)
NEXT YOU
Final Results By Bihar Naman GS in BPSC AUDITOR PR
2 Rank Holders in Top 10 From Bihar Naman GS
A Big Congratulations to our Toppers for their incredible accomplishment in BPSC AUDITOR PR 2023
2 Rank
KHUSHBOO
VIKASH KUMAR
VISHAKHA PATEL
BISHESHWAR SHARMA
RANJIT TANTI
SAWAN KUMAR
MD ASFANDIYAR
NIKHIL NANDAN
ROSHAN RAJ
BRAJMOHAN TANTI
ARPANA KUMARI
AKSHAY KUMAR
SURUCHI PRIYA
MURARI KUMAR JHA
ABHISHEK KUMAR
VINITA KUMARI
RAVINA SINGH
LAKHAN KUMAR TANTI

बिहार नमन पब्लिकेशन द्वारा प्रकाशित महत्वपूर्ण पुस्तकें
बिहार नमन
बिहार BPSC
सामान्य अध्ययन
सांख्यिकी-72
बिहार सामान्य विवरणिका
Congress Socialist Party And The Leaders of Bihar
PANACEA TO CDP
CTET/TET
ROLE OF THE WOMEN IN NATIONAL MOVEMENT IN BIHAR (1857-1947)
Bihar Naman Publication
BPSC PRELIMS TEST SERIES
Bihar Naman GS
70th BPSC
सभी पुस्तकें
पूर्णतः

BPSC का पूर्ण और विस्तृत पाठ्यक्रम

BPSC का परिचय

बीपीएससी एसएसई बिहार राज्य की सबसे बड़ी सेवा परीक्षा है। बीपीएससी का आयोजन बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य सरकार की सेवाओं में विभिन्न रिक्तियों पर भर्ती के लिए किया जाता है। यह एक अत्यधिक प्रतिष्ठित परीक्षा है जो सफल उम्मीदवारों को सार्वजनिक क्षेत्र में काम करने और समाज में प्रतिष्ठा प्राप्त करने का अवसर प्रदान करती है।

बीपीएससी सिविल सेवा परीक्षा: अवलोकन

- ✓ परीक्षा का नाम: बिहार सिविल सेवा परीक्षा/बीपीएससी संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा
- ✓ आयोजन निकाय का नाम: बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी)
- ✓ नौकरी करने का स्थान: बिहार में कहीं भी
- ✓ आवेदन का तरीका: ऑनलाइन
- ✓ प्राराम्भित परीक्षा लेने का तरीका: ऑफलाइन (ओएमआर आधारित)
- ✓ चयन प्रक्रिया: लिखित परीक्षा (प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा एवं निबंध) एवं साक्षात्कार

पात्रता

बीपीएससी प्रारंभिक परीक्षा के लिए आवेदन करने से पहले, उम्मीदवारों को यह जांचना चाहिए कि क्या वे निम्नलिखित पात्रता मानदंडों को पूरा करते हैं:

(1) राष्ट्रीयता: भारतीय राष्ट्रीयता रखने वाला कोई भी व्यक्ति परीक्षा के लिए अर्हत (Eligible) है। केवल बिहार राज्य के निवासियों को पात्रता मानदंड में कुछ छूट मिलती है।

(2) आयु सीमा: बीपीएससी परीक्षा के लिए न्यूनतम और अधिकतम आयु सीमा इस प्रकार हैं-

- ✓ न्यूनतम आयु – 20 वर्ष
- ✓ अधिकतम आयु – 37 वर्ष

बीपीएससी के लिए ऊपरी आयु सीमा (श्रेणीवार)

- ✓ सामान्य श्रेणी (पुरुष) :- 37 वर्ष
- ✓ सामान्य श्रेणी (महिला): - 40 वर्ष
- ✓ बीसी/ओबीसी (पुरुष, महिला):- 40 वर्ष
- ✓ एससी / एसटी (पुरुष, महिला):- 42 वर्ष

बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) के नियमों के अनुसार, जब तक उम्मीदवारों की आयु मानदंड पार न हो जाए, तब तक प्रयासों की संख्या पर कोई प्रतिबंध नहीं है। अर्थात वे अधिकतम आयु तक कितनी भी बार परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। यदि आप राज्य सरकारी के कर्मचारी या अधिकारी हैं और जो कम से कम तीन वर्षों से निरंतर सेवा में हैं वे अधिकतम पांच बार ही इस परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। विकलांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडी) के लिए, उच्च आयु सीमा में दस वर्ष की छूट दी गई है। पूर्व सैनिक, जिनकी आयु 53 से 55 वर्ष के बीच है, आयु में 3 वर्ष की छूट + सेवा में वर्षों की संख्या का लाभ उठा सकते हैं।

(3) शैक्षिक योग्यता

बीपीएससी पात्रता मानदंड के अनुसार, उम्मीदवारों को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री या एक समकक्ष योग्यता पूरा होना चाहिए

(4) शारीरिक फिटनेस

बिहार पुलिस सेवाओं में सेवा करने के इच्छुक उम्मीदवारों के लिए अनिवार्य शारीरिक फिटनेस मानदंड नीचे दिए गए हैं:

शारीरिक माप	सामान्य उम्मीदवारों के लिए (पुरुष)	एससी/एसटी उम्मीदवार	महिला उम्मीदवारों के लिए
छाती (बिना विस्तार के)	32 इंच	31 इंच	लागू नहीं
कद	5 फीट 5 इंच	5 फीट 3 इंच	5 फीट 2 इंच

प्रारंभिक पाठ्यक्रम

- ❖ **भूगोल (भारतीय भूगोल और विश्व भूगोल)**
- ❖ **इतिहास**
- ❖ **बिहार विशेष**

- **सामान्य विज्ञान**
- **राजनीतिक व्यवस्था**
- **अर्थव्यवस्था**
- **गणित और तर्क**
- **समसामयिक मामले**

❖ भूगोल (भारतीय भूगोल और विश्व भूगोल)

भारतीय भूगोल

मूल भूगोल

- स्थान, अक्षांश, देशांतर, समय क्षेत्र, आदि
- पड़ोसी देश
- स्थिति का महत्व
- राज्य और उनकी स्थिति
- सीमाओं का वितरण

जलवायु

- मानसून: गठन तंत्र, एल नीनो, ला नीना, हिंद महासागर द्विध्रुव
- वायु द्रव्यमान और जेटस्ट्रीम
- मानसून के प्रकार और विशेषताएं
- भारत में मौसम
- चक्रवात
- भारत का जलवायु वर्गीकरण
- सूखा और बाढ़

भौतिक विशेषताएँ

- हिमालय: भूवैज्ञानिक संरचना, जलवायु, वनस्पति, मिट्टी, जैव विविधता, भौतिक विभाग, प्रमुख दर्रे, महत्व
- उत्तर भारतीय मैदान: भूवैज्ञानिक संरचना, भौतिक विभाग, जलवायु, वनस्पति, मिट्टी, जैव विविधता, महत्व
- प्रायद्वीपीय पठार: भूवैज्ञानिक उत्पत्ति, मध्य उच्चभूमि, दक्कन पठार, पश्चिमी घाट, पूर्वी घाट
- भारतीय रेगिस्तान
- तटीय मैदान और द्वीप

भारत की नदी प्रणालियाँ

- हिमालयी नदियाँ
- प्रायद्वीपीय नदियाँ
- प्रमुख नदी बेसिन
- भारत में जलविद्युत परियोजनाएँ, प्रमुख बाँध
- पश्चिम की ओर बहने वाली और पूर्व की ओर बहने वाली नदियाँ
- नदियों को आपस में जोड़ना

खनिज और औद्योगिक वितरण

- भारत में खनिज वितरण
- प्रमुख औद्योगिक नीतियाँ
- उद्योगों के स्थान को प्रभावित करने वाले कारक

भारत में प्राकृतिक वनस्पति

- प्राकृतिक वनस्पति का वर्गीकरण
- भारत में वर्षा वितरण
- बायोस्फीयर रिजर्व, राष्ट्रीय उद्यान, आदि।
- महत्वपूर्ण प्रजातियाँ
- वन के प्रकार, वन संरक्षण और विकास।

बुनियादी ढाँचा

- परिवहन (राजमार्ग, अंतर्देशीय जलमार्ग, आदि)
- बिजली और ऊर्जा क्षेत्र
- भारत में ऊर्जा उत्पादन और खपत
- ऊर्जा के नवीकरणीय और गैर-नवीकरणीय स्रोत

- उभरते ऊर्जा स्रोत
- भारत में जल-विद्युत उत्पादन

कृषि

- भूमि वितरण
- फसल पैटर्न और फसलों के प्रकार।
- कृषि पद्धतियों के प्रकार
- खेती के प्रकार
- मिट्टी का वर्गीकरण।
- कृषि इनपुट
- सिंचाई विधियाँ
- भूमि सुधार
- नई कृषि पद्धतियाँ
- पशुपालन

सरकारी योजनाएँ

मानव भूगोल

- जनसंख्या और इसके मुद्दे,
- जनसंख्या वृद्धि के रुझान
- जनगणना (2011)

विश्व भूगोल

भौतिक भूगोल

भूआकृति विज्ञान

- पृथ्वी की उत्पत्ति
- पृथ्वी का आंतरिक भाग
- चट्टानों के प्रकार और विशेषताएँ
- तह और भ्रंश
- ज्वालामुखी, भूकंप
- पृथ्वी का आंतरिक भाग
- अपक्षय
- नदी, वातो और हिमनद क्रियाओं द्वारा निर्मित भू-आकृतियाँ

जलवायु विज्ञान

- वायुमंडल - संरचना और संयोजन
- तापमान
- पृथ्वी की दबाव पेटियाँ
- पवन प्रणाली
- बादल और वर्षा के प्रकार
- चक्रवात और प्रतिचक्रवात
- प्रमुख जलवायु प्रकार
- जलवायु परिवर्तन और उसका प्रभाव।

समुद्र विज्ञान

- महासागर तल राहत
- महासागर का वितरण।
- तापमान, लवणता और अन्य विशेषताएँ।
- महासागर जमाव
- महासागर धाराएँ
- एल नीनो और ला नीना,
- लहरें और ज्वार

बायोज्योग्राफी

- मिट्टी: उत्पत्ति, प्रकार और अन्य विशेषताएँ।
- विश्व के प्रमुख जीवोम
- पारिस्थितिकी तंत्र, खाद्य श्रृंखला

• पर्यावरण क्षरण और संरक्षण

मानव भूगोल

• जनसंख्या गतिशीलता, जनजातियाँ, प्रवास, क्षेत्रवाद और धर्मनिरपेक्षता
• आर्थिक गतिविधियाँ: कृषि, विनिर्माण, उद्योग, तृतीयक गतिविधियाँ
• बस्तियाँ, शहरीकरण, कस्बों, मिलियन-सिटी और मेगासिटी का कार्यात्मक वर्गीकरण
• कृषि और इसके प्रकार, उद्योग और बुनियादी ढाँचा, सेवा क्षेत्र

क्षेत्रीय भूगोल

• भौतिक विशेषताएँ, जलवायु और वनस्पति, मानव भूगोल और अफ्रीका, यूरोप, उत्तरी अमेरिका, दक्षिण अमेरिका, एशिया, ऑस्ट्रेलिया और ओशिनिया का आर्थिक विकास।

पर्यावरण भूगोल

• पारिस्थितिकी और वन्यजीव संरक्षण, प्रदूषण और इसके प्रकार, मानव स्वास्थ्य और पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रदूषण का प्रभाव, प्राकृतिक खतरे और आपदा प्रबंधन।

❖ इतिहास

प्राचीन इतिहास

प्रागैतिहासिक काल

• प्रागैतिहासिक काल के स्रोत
• पुरापाषाण युग
• मध्यपाषाण युग
• नवपाषाण युग
• ताम्रपाषाण युग
• महापाषाण युग
• भौगोलिक वितरण और विशेषताएँ

सिंधु घाटी सभ्यता

• आईवीसी भूगोल
• पुरातात्विक निष्कर्ष
• आईवीसी समाज और संस्कृति
• आईवीसी अर्थव्यवस्था
• आईवीसी का पतन

वैदिक काल और उत्तर वैदिक काल

• सूचना के स्रोत
• ऋग्वेदिक काल का भूगोल
• राजनीतिक संगठन
• ऋग्वेदिक समाज
• ऋग्वेदिक अर्थव्यवस्था
• धार्मिक प्रथाएँ और संस्कृति

संगम काल

• संगम राजवंश
• संगम साहित्य
• संगम व्यापार
• संगम राजनीति, समाज और संस्कृति
• संगम काल की अर्थव्यवस्था
• संगम कला और संस्कृति

जैन धर्म

• प्रारंभिक तीर्थंकर
• महावीर की शिक्षाएँ
• जैन धर्म का संगठन और संप्रदाय
• जैन साहित्य
• जैन दर्शन
• जैन परिषदें, प्रसार और शाही संरक्षक

बौद्ध धर्म

- बुद्ध का जीवन
- बुद्ध की शिक्षाएँ
- बौद्ध धर्म के संप्रदाय
- बौद्ध साहित्य
- बौद्ध परिषदें
- पतन के कारण

महाजनपद

- 16 महाजनपद
- प्रसिद्ध राजवंश और उनकी राजधानियाँ
- समाज और अर्थव्यवस्था
- प्रशासन
- महाजनपदों का पतन

मौर्यों का युग

- सूचना के स्रोत (शिलालेख, साहित्य)
- प्रसिद्ध शासक
- प्रशासन
- समाज
- अर्थव्यवस्था
- विदेशी संबंध
- अशोक का शासनकाल
- मौर्यों का पतन

मौर्य

- सातवाहन
- शुंग और कण्व
- शक
- कुषाण

गुप्तों का काल

- गुप्त शासन के स्रोत
- शासक और गुप्त कालक्रम
- विदेशी यात्रियों का दौरा
- गुप्त प्रशासन
- समाज धर्म और संस्कृति
- गुप्त काल में शहरी केंद्रों का विकास
- अर्थव्यवस्था
- विज्ञान और प्रौद्योगिकी
- साहित्य
- बाद के गुप्त
- अन्य समकालीन राजवंश

वर्धन राजवंश

- हर्ष और बौद्ध धर्म
- ह्वेन त्सांग
- प्रशासन
- समाज और संस्कृति
- नर्मदा का युद्ध

मध्यकालीन इतिहास

प्रारंभिक मध्यकालीन राजवंश

- प्रतिहार (8वीं से 10वीं शताब्दी)
- पाल (8वीं से 11वीं शताब्दी)
- सेना (11वीं से 12वीं शताब्दी)

- राजपूत
- पल्लव
- चालुक्य
- राष्ट्रकूट

दक्षिण भारतीय राजवंश

- चोल शासक और राजनीतिक इतिहास
- चोल प्रशासन और सामाजिक-आर्थिक जीवन
- चेर (9वीं से 12वीं शताब्दी)
- यादव (12वीं से 13वीं शताब्दी)

प्रारंभिक मुस्लिम आक्रमणकारी

- मोहम्मद बिन कासिम
- महमूद गजनवी
- मुहम्मद गोरी

सल्तनत काल

- गुलाम वंश
- खिलजी वंश (1290-1320 ई.)
- तुगलक वंश (1320-1414 ई.)
- सैय्यद वंश
- लोदी वंश
- मंगोल आक्रमण
- प्रशासन
- अर्थव्यवस्था
- समाज और संस्कृति
- कमजोर पड़ना सल्तनत

मुगलों का उदय

- पानीपत की पहली लड़ाई और बाबर का उदय
- राणा सांगा के साथ बाबर का संघर्ष
- बाबर का योगदान
- हुमायूं और अफगान
- शेरशाह सूरी के साथ संघर्ष
- सूर साम्राज्य (1540-56)
- शेरशाह का योगदान

सत्ता का सुदृढ़ीकरण: अकबर का शासन

- पानीपत की दूसरी लड़ाई
- साम्राज्य का प्रारंभिक विस्तार
- राजपूतों के साथ संबंध
- सरकार की संरचना
- भूमि-राजस्व प्रणाली, दहसाला प्रणाली, मनसबदारी प्रणाली और सेना
- दीन-ए-इलाही - राज्य की नीतियाँ और धार्मिक सहिष्णुता
- अकबर का योगदान
- अकबर के काल में कला और संस्कृति का विकास।

अकबर के बाद के मुग़ल

- जहाँगीर का शासन
- शाहजहाँ का शासन
- औरंगज़ेब का उदय
- मुग़ल शासक वर्ग का विकास

मराठों का उदय

- मराठों का उदय - शिवाजी का प्रारंभिक करियर
- शिवाजी का प्रशासन
- औरंगज़ेब और दक्कनी राज्य (1658-87)

- मराठा और दक्कनी शासक
- मराठा और उनकी विस्तार नीति
- पानीपत की तीसरी लड़ाई
- पेशवा (1713-1818)
- अन्य मराठा राज्य

दक्कन सल्तनत

- दक्कनी राज्य
- दक्कन पर मुग़ल विजय
- मलिक अंबर का उदय
- बीजापुर और गोलकुंडा का आधिपत्य
- दक्कनी का सांस्कृतिक योगदान राज्य

विजयनगर साम्राज्य

- इतिहास के स्रोत
- प्रशासन
- सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन
- विभिन्न राजवंशों का कालक्रम
- बहमनी साम्राज्य के साथ संघर्ष
- विजयनगर में विदेशी यात्री

क्षेत्रीय राज्यों का उदय

- सिख
- जाट
- राजपूत
- बंगाल के नवाब
- अवध साम्राज्य

आधुनिक इतिहास

यूरोपीय लोगों का आगमन

- भारत में पुर्तगाली
- भारत में डच
- भारत में डेन
- अंग्रेज़
- फ़्रांसीसी
- एंग्लो-फ्रेंच प्रतिद्वंद्विता
- कर्नाटक युद्ध

ब्रिटिश विस्तारवाद

- प्लासी का युद्ध
- बक्सर का युद्ध
- एंग्लो-मैसूर युद्ध
- एंग्लो मराठा युद्ध
- सहायक गठबंधन व्यवस्था
- एंग्लो-सिख युद्ध
- व्यपगत का सिद्धांत
- रिंग फेंसिंग

ब्रिटिश प्रशासन और संविधान भारत का विकास

- द्वैध शासन
- ब्रिटिश प्रशासन का प्रभाव
- विनियमन अधिनियम 1773
- पिट्स इंडिया अधिनियम 1784
- चार्टर अधिनियम 1793
- चार्टर अधिनियम 1813
- चार्टर अधिनियम 1833

• चार्टर अधिनियम 1853
• भारत सरकार अधिनियम 1858
• भारतीय परिषद अधिनियम 1861
• भारतीय परिषद अधिनियम 1892
• मॉर्ले-मिंटो सुधार
• मोंटेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधार
• भारत सरकार अधिनियम 1935
• भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, 1947

शिक्षा का विकास

• चार्टर अधिनियम 1813
• ओरिएंटलिस्ट-एंग्लिसिस्ट विवाद
• वुड डिस्पैच (1854)
• हंटर शिक्षा आयोग (1882-83)
• भारतीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 1904
• सैडलर विश्वविद्यालय आयोग (1917-19)
• हार्टोग समिति (1929)
• वर्धा बेसिक शिक्षा योजना (1937)
• सार्जेंट शिक्षा योजना
• कोठारी शिक्षा आयोग (1964-66)
• स्थानीय शिक्षा का विकास
• तकनीकी शिक्षा का विकास

प्रेस का विकास

• प्रसिद्ध प्रकाशन और पत्रिकाएँ
• स्थानीय प्रेस अधिनियम, 1878
• प्रेस की स्वतंत्रता

भारतीय पुनर्जागरण

• सुधार के कारक
• हिंदू सुधार आंदोलन
• मुस्लिम सुधार आंदोलन
• सिख सुधार आंदोलन
• पारसी सुधार आंदोलन

सुधार का प्रभाव भारतीय सामाजिक सुधारों में शामिल व्यक्तित्व

• राजा राम मोहन राय
• ईश्वर चंद्र विद्यासागर
• स्वामी दयानंद सरस्वती
• केशव चंद्र सेन
• महादेव गोविंद रानाडे
• एनी बेसेंट-थियोसोफिकल सोसाइटी
• सैयद अहमद खान
• श्री रामकृष्ण परमहंस
• स्वामी विवेकानंद
• पंडिता रमाबाई
• ज्योतिबा फुले
• डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर

भारत में असंत और आदिवासी विद्रोह

• भील विद्रोह
• कोल विद्रोह
• संथाल विद्रोह
• जैनतिया और गारो विद्रोह
• रम्पा विद्रोह

• मुंडा विद्रोह
• खोंडा डोरा विद्रोह
• ताना भगत आंदोलन
• चंपारण सत्याग्रह
• खेड़ा किसान संघर्ष
• बारडोली आंदोलन
• मोपला विद्रोह
• तेभागा आंदोलन

कांग्रेस के बाद का युग

• भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रारंभिक चरण
• उदारवादी कांग्रेस का युग
• गरम दल (1905-1920)
• क्रांतिकारी आंदोलन
• देश के विभिन्न भागों में क्रांतिकारी गतिविधियाँ
• क्रांतिकारी राष्ट्रवाद का पुनरुत्थान
• भारत के बाहर क्रांतिकारी गतिविधियाँ
• बर्लिन में भारतीय स्वतंत्रता समिति
• उदारवादियों और गरम दल के बीच मतभेद

भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का पहला चरण

• बंगाल का विभाजन (1905)
• स्वदेशी आंदोलन
• मुस्लिम लीग का गठन
• सूरत में कांग्रेस का विभाजन
• मॉर्ले-मिंटो सुधार, 1909
• ग़दर पार्टी
• कोमागाटा मारू घटना
• लखनऊ समझौता
• होम रूल आंदोलन
• अगस्त घोषणा, 1917

भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का दूसरा चरण

• गांधी का उदय
• चंपारण सत्याग्रह (1917)
• अहमदाबाद मिल हड़ताल (1918)
• खेड़ा सत्याग्रह (1918)
• भारत सरकार अधिनियम, 1919
• जलियांवाला बाग
• नरसंहार
• खिलाफत आंदोलन
• असहयोग आंदोलन
• चौरी चौरा घटना
• बारडोली संकल्प
• स्वराज पार्टी और उसका मूल्यांकन
• साइमन कमीशन (1927)
• बारडोली सत्याग्रह (1928)
• नेहरू रिपोर्ट (1928)
• जिन्ना के चौदह सूत्र
• लाहौर अधिवेशन, 1929

भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का अंतिम चरण

• सविनय अवज्ञा आंदोलन (1930-1931)
• प्रथम गोलमेज सम्मेलन, 1930

- गांधी-इरविन समझौता, 1931
- कांग्रेस का कराची अधिवेशन (1931)
- द्वितीय गोलमेज सम्मेलन, 1931
- सविनय अवज्ञा आंदोलन
- तृतीय गोलमेज सम्मेलन
- मैकडोनाल्ड्स सांप्रदायिक पुरस्कार
- पूना समझौता, 1932
- भारत सरकार अधिनियम, 1935
- सुभाष चंद्र बोस का उदय
- द्वितीय विश्व युद्ध और भारतीय राष्ट्रवाद
- कांग्रेस मंत्रियों का इस्तीफा (1939)
- अगस्त 1940 का प्रस्ताव
- व्यक्तिगत सत्याग्रह
- द्वि-राष्ट्र सिद्धांत
- क्रिप्स मिशन (1942)
- भारत छोड़ो आंदोलन
- आज़ाद हिंद फौज
- भारतीय राष्ट्रीय सेना
- आईएनए परीक्षण
- नौसेना विद्रोह
- राजगोपालाचारी फॉर्मूला, 1945
- देसाई - लियाकत समझौता
- कैबिनेट मिशन योजना (1946)
- वेवेल योजना
- जिन्ना का प्रत्यक्ष कार्रवाई संकल्प
- माउंटबेटन योजना
- भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947

भारत के वायसराय और गवर्नर जनरल

❖ बिहार विशेष

- बिहार का इतिहास
- बिहार का मूल भूगोल
- बिहार की राजनीतिक व्यवस्था
- बिहार की क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था
- बिहार के वर्तमान मुद्दे / समाचार

❖ सामान्य विज्ञान

भौतिकी

- यांत्रिकी: गति, कार्य, ऊर्जा, शक्ति और वस्तुओं की गति के नियम। - प्रकाशिकी: परावर्तन, अपवर्तन, लेंस और दर्पण।
- ऊष्मप्रवैगिकी: ऊष्मा, तापमान, ऊष्मप्रवैगिकी के नियम। - बिजली और चुंबकत्व: बुनियादी अवधारणाएँ, विद्युत परिपथ, विद्युत चुम्बकीय प्रेरण और उपकरण आदि।

रसायन शास्त्र

- परमाणु संरचना: मूल कण, इलेक्ट्रॉनिक विन्यास और आवर्त सारणी। - रासायनिक बंधन: बंधनों के प्रकार, आणविक संरचना।
- पदार्थ की अवस्थाएँ: गैसें, तरल पदार्थ, ठोस और उनके गुण। - अम्ल, क्षार और लवण: परिभाषाएँ, गुण और प्रतिक्रियाएँ। - कार्बनिक रसायन विज्ञान: कार्बनिक यौगिकों, कार्यात्मक समूहों और नामकरण की मूल बातें आदि ।

जीव विज्ञान

- कोशिका जीव विज्ञान: कोशिकाओं की संरचना और कार्य, कोशिका विभाजन और आनुवंशिकी।
- पादप जीव विज्ञान: पौधों की शारीरिक रचना, शरीर क्रिया विज्ञान, प्रजनन और वर्गीकरण।
- मानव जीव विज्ञान: विभिन्न प्रणालियों, रोगों और स्वास्थ्य मुद्दों की शारीरिक रचना और शरीर क्रिया विज्ञान आदि।

पारिस्थितिकी

- पारिस्थितिकी तंत्र, खाद्य श्रृंखलाएँ और पर्यावरणीय मुद्दे।
- विकास और आनुवंशिकी: विकास, विरासत और आनुवंशिक विविधताओं के सिद्धांत।

पर्यावरण विज्ञान

- पर्यावरण प्रदूषण: वायु, जल, मृदा प्रदूषण और उनके प्रभाव।
- प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण: सतत विकास, जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र संरक्षण।
- जलवायु परिवर्तन: कारण, प्रभाव और शमन रणनीतियाँ।

❖ राजनीतिक व्यवस्था

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

- भारतीय संविधान का विकास
- संविधान का निर्माण - संविधान सभा और उसकी समितियाँ

संविधान की प्रस्तावना

- महत्व और घटक

संघ और उसका क्षेत्र

नागरिकता

- नागरिकता प्राप्त करने के तरीके
- संविधान में नागरिकता से संबंधित प्रावधान

मौलिक अधिकार (FRs)

- प्रकृति और महत्व।
- संविधान में निहित FRs।
- न्यायिक समीक्षा और FRs की सुरक्षा में सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका।
- रिट और उनका महत्व।

राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांत (DPSP)

- प्रकृति और महत्व।
- मौलिक अधिकारों और नीति निर्देशक सिद्धांतों के बीच संबंध।
- उनके कार्यान्वयन में आलोचना और चुनौतियाँ।

मौलिक कर्तव्य

- 42वें संशोधन द्वारा जोड़ा गया।
- महत्व और आलोचनाएँ।

संविधान का संशोधन

- अनुच्छेद 368 के तहत प्रक्रिया और प्रावधान।
- महत्वपूर्ण संशोधन और उनके निहितार्थ।

मूल संरचना सिद्धांत

- सर्वोच्च न्यायालय द्वारा न्यायिक व्याख्या।
- मूल संरचना को परिभाषित करने वाले प्रमुख मामले।

संघीय कार्यपालिका

- राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मंत्रिपरिषद, अटॉर्नी जनरल।
- शक्तियाँ और कार्य।
- अनुच्छेद 352-360 के तहत आपातकालीन प्रावधान।

भारत की संसद

- संरचना और संयोजन।
- लोकसभा, राज्यसभा और उनके कार्य।
- संसदीय समितियाँ।

राज्य कार्यपालिका

- राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मंत्रिपरिषद।
- राज्य विधानमंडल और उसकी शक्तियाँ।

स्थानीय सरकार

- पंचायती राज संस्थाएँ (पीआरआई) और शहरी स्थानीय निकाय (यूएलबी)।
- 73वाँ और 74वाँ संविधान संशोधन।

न्यायपालिका

- न्यायपालिका की संरचना।
- न्यायपालिका की स्वतंत्रता।
- न्यायिक समीक्षा और जनहित याचिका (जनहित याचिका)।

चुनाव

- चुनाव आयोग।
- चुनावों का संचालन और चुनावी सुधार।

दलबदल विरोधी कानून

- संविधान की दसवीं अनुसूची।

एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यकों के लिए विशेष प्रावधान

- संवैधानिक प्रावधान और सरकारी पहल।

न्यायाधिकरण

- प्रशासनिक न्यायाधिकरण, राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण, आदि।

संवैधानिक और वैधानिक निकाय

- यूपीएससी, एसपीएससी, सीएजी, एनएचआरसी, आदि जैसे महत्वपूर्ण निकाय।

सार्वजनिक नीति और शासन

- सरकारी नीतियाँ और उनका प्रभाव।
- सुशासन और ई-गवर्नेंस पहल।

❖ अर्थव्यवस्था

मूल अवधारणाएँ

- उत्पादन के कारक
- राष्ट्रीय आय
- जीडीपी, जीएनपी, एनडीपी, और एनएनपी
- व्यक्तिगत आय
- भारतीय अर्थव्यवस्था का अवलोकन
- भारत की नई जीडीपी श्रृंखला 2011-12

मुद्रास्फीति

- परिभाषा
- माप (WPI, CPI, डिफ्लेटर)
- प्रकार और कारण

राजकोषीय नीति

- बजट और लेखानुदान
- कटौती प्रस्ताव (नीति, अर्थव्यवस्था, टोकन)
- कर व्यय
- राजकोषीय और चालू खाता घाटा
- सरकारी बजट
- FRBM अधिनियम
- कराधान
- GST

मौद्रिक नीति

- भारत में मौद्रिक नीति
- मुद्रा आपूर्ति
- REPO
- रिवर्स REPO
- CRR, SLR, MSF, और CRAR
- रुपया अवमूल्यन
- UPI

योजना और संघवाद

- योजना से संबंधित मुद्दे

- निवेश मॉडल
- संसाधनों का जुटाना
- वृद्धि
- विकास
- रोजगार
- 12वीं पंचवर्षीय योजना योजना
- 16वां वित्त आयोग
- नीति आयोग

विकास और विकास

- गरीबी
- मानव पूंजी
- स्वयं सहायता समूह
- गैर सरकारी संगठन
- आर्थिक विकास बनाम विकास
- मानव विकास सूचकांक
- हरित जीडीपी
- सकल राष्ट्रीय खुशी सूचकांक
- एमडीजी और एसडीजी

बजट और आर्थिक सर्वेक्षण (भारत और बिहार दोनों)

भारतीय अर्थव्यवस्था क्षेत्र

प्राथमिक (कृषि) क्षेत्र

- खाद्य प्रसंस्करण
- पीडीएस
- भूमि सुधार
- कृषि विपणन
- एमएसपी

फसल पैटर्न द्वितीयक (औद्योगिक) क्षेत्र

- आईआईपी
- मेक इन इंडिया
- कंपनी अधिनियम

एमएसएमई तृतीयक (सेवा) क्षेत्र

- एनआईआईएफ
- दिवालियापन संहिता
- बैंकिंग
- विकास वित्त
- बैंक सुधार
- गैर-निष्पादित परिसंपत्तियाँ
- वित्तीय समावेशन

विदेशी व्यापार

- भुगतान संतुलन
- मुक्त व्यापार समझौते
- मसाला बांड
- एफडीआई
- बुनियादी ढांचा (ऊर्जा, सड़क, बंदरगाह, हवाई अड्डे, रेलवे)

वित्तीय बाजार

- सट्टा
- हेजिंग
- मध्यस्थता
- निवेश
- मुद्रा बाजार

• पूंजी बाजार
• सेबी

विश्व अर्थव्यवस्था

• विश्व व्यापार संगठन
• व्यापार सुविधा समझौता
• राजकोषीय संकट
• बिटकॉइन
• एनएफटी
• क्रिप्टो करेंसी
• व्यापार करने में आसानी

❖ गणित और तर्क

गणित

• प्रतिशत
• दशमलव
• कारक और गुणक
• अनुपात
• ज्यामिति
• पूर्णांक
• संख्या प्रणाली
• सरलीकरण
• HCF और LCM
• अनुपात और समानुपात
• आयु पर समस्याएँ
• साझेदारी
• BODMAS
• औसत
• लाभ और हानि
• साधारण और चक्रवृद्धि ब्याज
• मापन
• समय और कार्य
• समय और दूरी
• वर्गमूल
• त्रिकोणमिति
• सन्निकटन
• मिश्रण और मिश्रण
• क्रमचय और संयोजन
• नावें और धाराएँ
• करणी और सूचकांक
• पाइप और टंकी

तर्क

• सादृश्य
• न्यायवाक्य
• कोडित समीकरण
• वर्गीकरण
• रक्त संबंध
• दिशा प्रश्न
• अंकगणितीय तर्क
• वेन आरेख
• दृश्य तर्क

• कागज़ तह; सामने आने वाले प्रश्न
• वर्णमाला परीक्षण

❖ **करेंट अफेयर्स**

• राष्ट्रीय करेंट अफेयर्स
• अंतर्राष्ट्रीय करेंट अफेयर्स
• बिहार विशेष करेंट अफेयर्स

❖ **मुख्य परीक्षा पाठ्यक्रम**

सामान्य हिंदी

इस पत्र में प्रश्न बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के माध्यमिक (सेकेण्डरी) स्तर के होंगे। इस परीक्षा में सरल हिंदी में अपने भावों को स्पष्टतः एवं शुद्ध-शुद्ध रूप में व्यक्त करने की क्षमता और सहज बोध शक्ति की जाँच समझी जायेगी।

अंकों का विवरण निम्न प्रकार होगा-

- निबन्ध - 30 अंक
- व्याकरण - 30 अंक
- वाक्य विन्यास - 25 अंक
- संक्षेपण - 15 अंक
-

सामान्य अध्ययन (600 अंक)

सामान्य अध्ययन पेपर I और पेपर II ज्ञान के निम्नलिखित क्षेत्र होंगे :

सामान्य अध्ययन पेपर - I

(1) भारत का आधुनिक इतिहास और भारतीय संस्कृति

भारत का आधुनिक इतिहास और भारतीय संस्कृति उन्नीसवीं सदी के मध्य से देश के व्यापक इतिहास (बिहार के विशेष संदर्भ में) को कवर करेगी। बिहार के आधुनिक इतिहास में पश्चिमी शिक्षा (तकनीकी शिक्षा सहित) के परिचय और विस्तार पर प्रश्न शामिल होंगे। इसमें भारत के स्वतंत्रता संग्राम में बिहार की भूमिका पर भी प्रश्न होंगे। प्रश्न बिहार में संथाल विद्रोह, 1857, बिरसा आंदोलन, चंपारण सत्याग्रह और भारत छोड़ो आंदोलन 1942 से संबंधित होंगे। परीक्षार्थियों से मौर्य और पाल कला और पटना कलम चित्रकला की प्रमुख विशेषताओं का ज्ञान अपेक्षित होगा। इसमें गांधी, टैगोर और नेहरू से संबंधित प्रश्न भी शामिल होंगे।

(2) राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व की वर्तमान घटनाएँ

जहाँ तक BPSC का संबंध है, उम्मीदवारों को "राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व की वर्तमान घटनाओं" को हाल के दिनों में घटित घटनाओं के रूप में समझना चाहिए और भारत के सामाजिक-आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक परिदृश्य से महत्वपूर्ण प्रासंगिकता होनी चाहिए। इसमें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों तरह की घटनाएँ, नीतिगत परिवर्तन, वैज्ञानिक प्रगति, कूटनीतिक संबंध, पर्यावरण संबंधी मुद्दे और बहुत कुछ शामिल हैं। आदर्श रूप से, उम्मीदवारों को भूगोल, अर्थव्यवस्था, राजनीति, प्रौद्योगिकी आदि जैसे स्थिर विषयों के विस्तार के रूप में करंट अफेयर्स को देखना चाहिए। करंट अफेयर्स की घटनाओं को राजनीति और शासन, अर्थव्यवस्था, अंतर्राष्ट्रीय संबंध, पर्यावरण, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, सामाजिक मुद्दे और सुरक्षा जैसे विषयों से जोड़ा जा सकता है। BPSC उम्मीदवारों को इस बात की समग्र समझ बनाने का लक्ष्य रखना चाहिए कि ये घटनाएँ इन विविध विषयों को कैसे प्रभावित करती हैं।

(3) सांख्यिकीय विश्लेषण ग्राफ और आरेख

सांख्यिकीय विश्लेषण, ग्राफ और आरेख से संबंधित भाग में, सांख्यिकीय, ग्राफिक या आरेखीय रूप में प्रस्तुत जानकारी से सामान्य ज्ञान निष्कर्ष निकालने और उसमें कमियों, सीमाओं या विसंगतियों को इंगित करने की उम्मीदवार की क्षमता का परीक्षण करने के लिए अभ्यास शामिल होंगे।

सामान्य अध्ययन पेपर- II

(1) भारतीय राजनीति

भारतीय राजनीति से संबंधित भाग में, बिहार सहित भारत में राजनीतिक व्यवस्था पर प्रश्न शामिल होंगे।

(2) भारतीय अर्थव्यवस्था और भारत का भूगोल

भारतीय अर्थव्यवस्था और भारत के भूगोल से संबंधित भाग में, भारत में नियोजन और भारत और बिहार के भौतिक, आर्थिक और सामाजिक भूगोल पर प्रश्न पूछे जाएंगे।

(3) भारत के विकास में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका और प्रभाव

भारत के विकास में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका और प्रभाव से संबंधित तीसरे भाग में, भारत और बिहार में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका और प्रभाव के बारे में उम्मीदवार की जागरूकता का परीक्षण करने के लिए प्रश्न पूछे जाएंगे। लागू पहलुओं पर जोर दिया जाएगा।

निबंध (300 अंक)

BPSC मुख्य परीक्षा में निबंध पत्र एक ऐसा खंड है जहाँ उम्मीदवारों को विकल्पों की सूची में से चुने गए विभिन्न विषयों पर कई निबंध (3 निबंध) लिखने होते हैं। विषयों में सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक और दार्शनिक पहलुओं, राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय और बिहार विशेष कहावतों सहित कई तरह के मुद्दे शामिल हो सकते हैं। निबंध पत्र BPSC मुख्य परीक्षा में कुल 900 अंकों में से 300 अंकों का होता है और इस खंड में अच्छा प्रदर्शन करने से उम्मीदवार की समग्र रैंकिंग और BPSC के लिए चयन पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है।

- पाठ्यक्रम पूरा होनेकी अवधि: 12 महीने (एक वर्ष)
- शुल्क संरचना: रु. 50,000/- (+ जीएसटी) (हिंदी माध्यम)

  (पीटी, जीएस मेन्स, निबंध, प्रारंभिक और जीएस मेन्स टेस्ट सीरीज, मेन्स उत्तर लेखन कार्यक्रम, अध्ययन सामग्री, नोट्स और साक्षात्कार मार्गदर्शन के लिए)

Bihar Naman GS
3rd floor, A.K. Pandey Building, Road No.-2,
Near Dinkar Golambar, Rajendra Nagar,
Patna - 800016
Follow Us:-
www.biharnaman.in